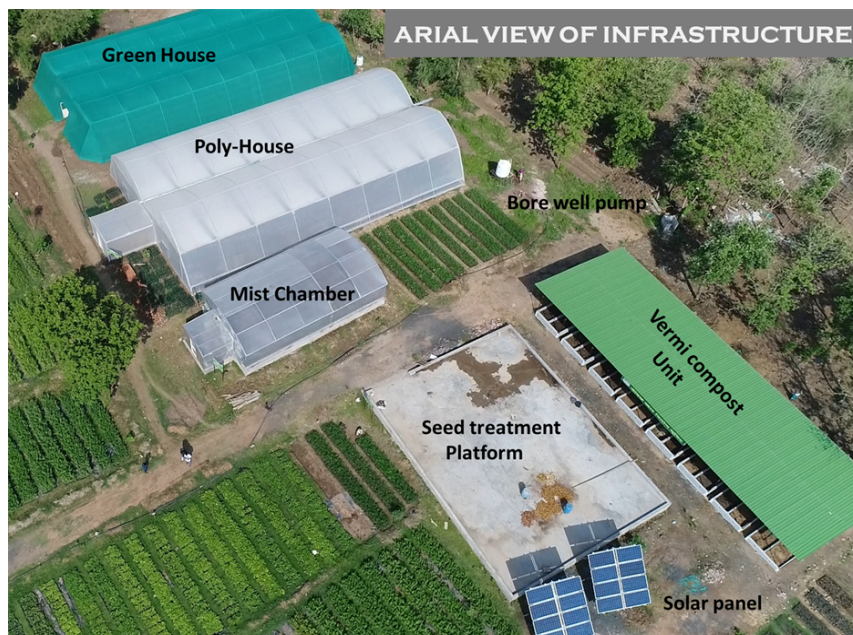


ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत रोपणी उन्नयन कार्य

सामाजिक वानिकी वन वृत्त भोपाल का भू-दृश्य (Landscape) भोपाल, रायसेन एवं सीहोर जिलों में फैला हुआ है। ग्रीन इंडिया मिशन योजना के अंतर्गत उक्त जिलों में स्थापित रोपणियों में अधोसंरचना विकास एवं रोपणी उन्नयन कार्य वर्ष 2018 से किया जा रहा है। रोपणी उन्नयन कार्य सीहोर जिले की बांसापुर एवं होलीपुरा रोपणी, रायसेन जिले की अमरावद प्रथम रोपणी एवं भोपाल जिले की अहमदपुर रोपणी में किया गया है।

ईको सिस्टम सर्विसेज इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (ESIP) परियोजना एवं विश्व बैंक से प्राप्त राशि की सहायता से रोपणी में अधोसंरचना विकास, जल स्रोत विकास, विद्युत व्यवस्था, पौधा तैयारी हेतु आवश्यक उपकरण एवं संरचनाओं आदि का निर्माण किया गया है।



ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत रोपणियों में मुख्य अधोसंरचना विकास कार्य –

क्र.	अधोसंरचना	विवरण
1	मिस्ट चैम्बर	4 नग
2	पॉली हाउस	3 नग
3	ग्रीन हाउस	1 नग
4	माइक्रोस्पिंकलर	1000 बेड
5	वर्मी कम्पोस्ट यूनिट	64 टैंक
6	सीमेन्ट कांक्रीट बेड	820 बेड
7	सीड स्टोर	4 नग
8	ओव्हर हेड टैंक	4 नग
9	कस्टमर विजिटर सेंटर	1 नग
10	सीड ट्रीटमेंट प्लेटफार्म	2 नग
11	लेबर हट	3 नग
12	सोलर पैनल	1 नग
13	फेंसिंग	2000 रनिंग मीटर
14	इनर रोड	2500 रनिंग मीटर
15	कोकोपिट शेड	2 नग

16	कम्पोस्ट टैंक	16 नग
17	साइनेज	—
18	सीसीटीवी कैमरा	1 नग
19	सोलर लाइट	8 नग
20	विजिटर सेंटर हेतु फर्नीचर	—
21	मृदा परीक्षण मशीन	4 नग
22	मृदा परीक्षण प्रयोगशाला	1 नग
23	प्रवेश द्वार	1 नग
24	रूट ट्रेनर सेल्स व स्टैंड	1 लाख नग
25	सोलर पम्प सेट	7.5 कि.वा.
26	शौचालय	1 नग
27	पेयजल व्यवस्था	1 नग

उक्त अधोसंरचना विकास एवं रोपणी उन्नयन कार्यों से रोपणियों की उत्पादक क्षमता का विकास हुआ है जिससे रोपणियों में उच्च गुणवत्ता के पौधे तैयार किये जाते हैं। रोपणियों में दुर्लभ एवं संकटापन्न प्रजातियों के पौधों को कृत्रिम तकनीक द्वारा अनुकूल वातावरण में तैयार किया जाता है एवं पौधे वृक्षारोपण क्षेत्रों में प्रदाय किये जाते हैं। रोपणियों में अधोसंरचना विकास एवं रोपणी उन्नयन कार्य के फलस्वरूप सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल के अंतर्गत उक्त रोपणियों को उत्कृष्ट श्रेणी प्रदाय की गई है।

मिस्ट चैम्बर – संख्या – 4 नग

उपयोगिता – नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में बारीक बीजों जैसे पीपल, बरगद, पाकर आदि से पूरे वर्ष अंकुरण प्राप्त किया जाता है।

पॉली हाउस – संख्या – 3 नग

उपयोगिता – उच्च तापमान एवं आर्द्रता की स्थिति में कठोर कवच वाले बीजों जैसे बीजा, कुसुम, अचार आदि से अंकुरण सुनिश्चित करता है।



मिस्ट चैम्बर



पॉली हाउस

ग्रीन हाउस संख्या – 1

उपयोगिता – पौधों के सुदृढीकरण हेतु नियंत्रित प्रकाश एवं आर्द्रता की स्थिति निर्मित करता है।

माइक्रोस्प्रिंकलर संख्या – 1000 बेड

उपयोगिता – कृत्रिम रूप से वर्षा ऋतु के सामान वातावरण स्थापित कर नियंत्रित मात्रा में जल सिंचाई करता है।



ग्रीन हाउस



माइक्रोस्प्रिंकलर

सीमेंट कांक्रीट बेड – संख्या – 850 बेड

उपयोगिता– मुख्यतः रोपणी में खरपतवार से पौधों को सुरक्षित रखता है। सी.सी. बेड में ग्रेडिंग एवं स्पेसिंग आसानी से की जा सकती है जिसके फलस्वरूप उच्चगुणवत्ता के पौधे तैयार होते हैं।

सीड स्टोर – संख्या – 4 नग

उपयोगिता – बीज भण्डारण कक्ष में स्वच्छ एवं नियंत्रित तापमान में वानिकी प्रजाति के बीजों का भण्डारण किया जाता है।



सीमेंट कांक्रीट बेड



सीड स्टोर

सीड ट्रीटमेंट प्लेटफार्म संख्या – 2 नग

उपयोगिता – कठोर कवच वाले बीज जैसे सागौन के उपचारण हेतु आवश्यक है।

वर्मी कम्पोस्ट यूनिट संख्या – 64 टैंक

उपयोगिता – रोपणियों में पौधा तैयारी एवं वृक्षारोपण हेतु उच्च गुणवत्ता के जैविक खाद का निर्माण किया जाता है।



सीड ट्रीटमेंट प्लेटफार्म



वर्मी कम्पोस्ट यूनिट

ओव्हरहेड टैंक संख्या – 4 नग

उपयोगिता – मुख्यतः जल भण्डारण कर गुरुत्वाकर्षण बल की सहायता से सिंचाई कार्य किया जाता है।

कस्टमर विजिटर सेंटर संख्या – 1 नग

उपयोगिता – रोपणी में आगंतुक एवं क्रेताओं को मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, बैटक व्यवस्था आदि उपलब्ध कराता है।



ओव्हरहेड टैंक



कस्टमर विजिटर सेंटर

कोकोपिट यूनिट –संख्या – 2 नग

उपयोगिता – कोकोपिट यूनिट में मुख्यतः नारियल के जटों एवं रेशों से कोकोपिट निर्माण किया जाता है जो पौधों की वृद्धि एवं जड़ प्रणाली विकसित करने में सहायक होता है।

आंतरिक मार्ग – संख्या – 2500 रनिंग मीटर

उपयोगिता – रोपणी में वर्षा ऋतु के दौरान पौधा परिवहन आसान बनाता है। रोपणी निरीक्षण व जल निकासी सुनिश्चित करता है।



कोकोपिट यूनिट



आंतरिक मार्ग

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला संख्या – 1

उपयोगिता – मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में मृदापरीक्षक मशीन द्वारा मृदा में पोषक तत्वों की उपलब्धता का पता लगाया जाता है।

सोलर पैनल संख्या – 1

उपयोगिता – सौर ऊर्जा, दूरस्थ रोपणियों में विद्युत का वैकल्पिक एवं अतिरिक्त साधन है।



मृदा परीक्षण प्रयोगशाला



सोलर पैनल

लेबर हट— संख्या – 3 नग

उपयोगिता – बाहरी श्रमिकों की आवास व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

सी.सी.टी.व्ही. कैमरा – संख्या – 1

उपयोगिता – कैमरे एवं स्क्रीन की सहायता से 24x7 रोपणी की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।



लेबर हट



सी.सी.टी.व्ही. कैमरा